प्रसार पत्र–8

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

बकरियों में आयु निर्धारण

डॉ. जी. सी. गहलोत
प्रभारी

डॉ. अनिल कुमार दाधीच
पशु चिकित्सा अधिकारी

अखिल भारतीय समन्वित बकरी अनुसंधान परियोजना (ICAR)
पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग
राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय
बीकानेर

बकरियों में आयु निर्धारण

ऊष्ण जलवायु वाले इस भूभाग में पाये जाने वाले पशुओं में बकरी का अधिक महत्व है। बकरियों की तन्दुरूस्ती और उनकी उत्पादक क्षमता बनाये रखने के लिए आवश्यक है कि बकरियों का भरण पोषण व रखरखाव उनकी आयु के अनुसार किया जाये। बकरियों में अन्य पशुओं की तरह आयु का निर्धारण उनके दांतों के आधार पर किया जा सकता है। बकरियों में कुल दांतो की संख्या 32 होती है।

इन 32 दांतों में से 8 कुत्तरने के दांत नीचे के जबड़े में तथा 12–12 मोलर दांत (दाढें) ऊपर व नीचे के दोनों जबड़ों में होते है जो बहुत ही मजबूत होते हैं। भेड़ों तथा गायों की ही तरह बकरियों में भी आगे के दांत केवल नीचे के जबड़े में होते है। ऊपर के जबड़े में आगे के दांतों की जगह केवल मजबूत मसूड़े का पेड़ बना होता है। जबड़े में पीछे की और ऊपर व नीचे दोनों जबड़ों में दोनों और मोलर दांत (दाढ) भी होते है, जो उनके भोजन को चबाने के काम आते है।

जन्म से लेकर जीवन के पहले साल तक बकरा/बकरी में आठ आगे के दांत होते है जो छोटे व तीखे होते हैं जिन्हें दूधिया दांत कहते हैं। धीरे–धीरे उम्र के बढ़ने के साथ–साथ इन दूधिया दांतों की जगह स्थायी (परमानेन्ट) दांत लेने लगते हैं। बकरी में दूधिया दांत की जगह स्थायी दांत लेने की प्रक्रिया द्वारा ही बकरी/बकरा की लगभग उम्र का पता लगाया जाता है।

1. **दूधिया दांत :—** यह स्थिति बकरियों में जन्म से लेकर 10 से 12 महिनों तक होती है। इस स्थिति में बकरी में नीचे के जबड़े में पूरे आठ आगे के दूधिया दांत होते हैं।

2. **दो स्थाई दांत :—** इस स्थिति में बीच के दो दूधिया इनसाइजर दांतो की जगह एक जोड़ा (दो दांत) स्थाई दांत ले लेते है। यानि बकरी/बकरा दो दांत का हो जाता है तथा उम्र लगभग 13 से 15 महिनों तक मानी जाती है।

3. **चार स्थाई दांत :–** इस स्थिति में दो जोड़े (चार दांत) स्थाई इनसाइजर (कुतरने के दांत) मिलते हैं तथा बकरा/बकरी की उम्र लगभग 18 से 21 महिनों तक मानी जाती है।

4. **छः स्थाई दांत :–** जब स्थायी इन साइजर के तीन जोड़े यानि छः दांत मुहं में आ जाते है तो उम्र लगभग 22 से 24 महिने तक मानी जाती है।

5. **आठ स्थाई दात :—** जब पूरे आगे के 8 दांत स्थाई, दूधिया दांतो की जगह पर आ जाते हैं तो बकरी की उम्र लगभग 27 से 32 महिनें मानी जाती है। ऐसी बकरी को पूरे मूंह की बकरी भी कहा जाता है।

इससे ज्यादा की उम्र का पता इस बात से लगाया जाता है कि दांत कितने फैले, घिसे व टूटे है। बकरियों/बकरे जो कठोर व नुकीला आहार (घास) खाते हैं उनके दांतो की घिसाई ज्यादा होती है, जबकि मुलायम व आसानी से चबाये जा सकने वाली चीचें खाने वाली बकरी/बकरा के दांतो की घिसायी कम होती है। अतः पांच साल से ज्यादा की उम्र का पता लगाना कठिन हैं।

बकरियों की औसत आयु

मादा बकरी की औसत आयु 15 साल होती है। बकरी की आयु उसकी ब्यात (कितनी बार ब्याती है) पर भी निर्भर करती है। अगर बकरी को 10 साल के बाद ब्याने की दृष्टि से निवृत

(रिटायर) या ब्यात अंतराल दे दिया जावे तो उस बकरी की उम्र बढ़ जाती है व वो 16 से 18 साल तक भी जिन्दा रह सकती है।

नर (बकरे) की जिन्दा रहने की आयु, मादा की तुलना में कम होती है तथा 8 से 10 साल होती है। बकरी के शरीर का विकास तीन साल की उम्र तक चलता रहता है। अतः पूरी तरह से विकसित बकरी तीन साल की उम्र के बाद मानी जाती है।

Printed at : Jawahar Press, Bkn

सम्पर्क सूत्र

अधिष्ठाता

पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय

बीकानेर (राज.)

gahlotgcbkn@rediffmail.com